संस्कृतविभागः जामियामिल्लियाइस्लामिया नवदेहलीस्थः
(राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा A++ श्रेण्या प्रत्यायितः केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)
Department of Sanskrit, Jamia Millia Islamia, New Delhi 110 025
(NAAC Accredited A++ Central University)

बहुविषयक स्नातक उपाधि-संस्कृत : पाठ्यक्रम विवरण

Multidisciplinary Bachelor's Degree in Sanskrit: Course Descriptions

कौशलसंवर्धनपाठ्यक्रमम्/Skill Enhancement Course (SEC)

सेमेस्टर-02 **24-SAN-S-154**	**भारतीयदर्शनम्** **Indian Philosophy**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कनः 19 अङ्क, सत्र-परीक्षाः 56 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* भारतीय विचारधारा का सार प्रस्तुत होगा। * विभिन्न दार्शनिक सम्प्रदायों की आचार मीमांसा, ज्ञान मीमांसा,इत्यादि का अनुशीलन करने और विवेचना करने में समर्थ हो सकेंगे। * भारतीय धर्म और दर्शन के मध्य अन्तर का परिज्ञान होगा। * आधुनिक दार्शनिकों के सिद्धान्तों की समीक्षा करने में समर्थ हो सकेंगे।
इकाई 01:	प्राचीन भारत की प्राकृतिक स्थिति, दर्शन का तात्पर्य, भारतीय दर्शन की विशेषताएँ, भारतीय दर्शन के मूल स्रोत (मन्त्र-दर्शन, यज्ञ-दर्शन, उपनिषद्-दर्शन), वैदिक दर्शन और अवैदिक दर्शन
इकाई 02:	वैदिक दर्शन के प्रमुख आचार्य, साहित्य, सिद्धान्त एवं शाखाएँ, अवैदिक दर्शन के प्रमुख आचार्य, साहित्य, सिद्धान्त एवं शाखाएँ
इकाई 03:	अन्य दार्शनिक परम्पराएँ : वैष्णवदर्शन, पाञ्चरात्र, शैवदर्शन, शाक्तदर्शन, गाणपत्य, स्कान्द, सौर परवर्ती दार्शनिक और उनके सिद्धान्त : समकालीन भारतीय दर्शन की प्रवृत्तियाँ, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, स्वामी दयानन्द सरस्वती, महर्षि अरविन्द, पं. मधुसूदन ओझा, गुरु गोरक्षनाथ, स्वामी रामतीर्थ, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, रमण महर्षि, आचार्य विनोबा भावे, जे.कृष्णमूर्ति

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. भारतीय दर्शन की चिन्तनधारा, राममूर्ति चतुर्वेदी, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी
2. भारतीय दर्शन, राधाकृष्णन, राजपाल, दिल्ली
3. भारतीय दर्शन की रुपरेखा, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
4. भारतीय दर्शन, वाचस्पति गैरोला, लोकभारती प्रकाशन
5. ऋग्वेदीय दर्शन एवं प्रमुख दार्शनिक सूक्त, मुरलीमनोहर पाठक, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली
6. समकालीन भारतीय दर्शन, लक्ष्मी सक्सेना, उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
7. समकालीन भारतीय दर्शन, बसन्त कुमार लाल, मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स
8. समकालीन भारतीय दर्शन के कुछ मानववादी चिंतक : तुलनात्मक एवं समाक्षात्मक अध्ययन, प्रेमलता, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, नई दिल्ली
9. भारतीय धर्मशाखाएँ और उनका इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
10. वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत, रामकृष्ण गोपाल भण्डारकर, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
11. An Introduction to Indian Philosophy, Satischandra Chatterjee, Dhirendramohan Datta
12. Contemporary Indian Philosophy, Basant Kumar Lal, Motilal Banarsidass Publishers Pvt. Ltd.

संस्कृतविभागः जामियामिल्लियाइस्लामिया नवदेहलीस्थः
(राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा A++ श्रेण्या प्रत्यायितः केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)
Department of Sanskrit, Jamia Millia Islamia, New Delhi 110 025
(NAAC Accredited A++ Central University)

बहुविषयक स्नातक उपाधि-संस्कृत : पाठ्यक्रम विवरण

Multidisciplinary Bachelor's Degree in Sanskrit: Course Descriptions

मूल्ययोजनपाठ्यक्रमम्/Value Added Course (VAC)

सेमेस्टर-02 **24-SAN-V-155**	**उपनिषद्-परिचयः** **Introduction to Upanishads**
क्रेडिट :02	कुल अङ्क : 50 (आन्तरिक मूल्याङ्कनः 13 अङ्क ,सत्र-परीक्षाः 37 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से द्वादश कक्षा उत्तीर्ण
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* उपनिषदों के वर्ण्यविषय और महत्त्व को जान सकेंगे। * ईशावास्योपनिषद् और कठोपनिषद् के सिद्धान्तों से परिचित होकर उनकी व्यावहारिकता से अवगत हो सकेंगे।
इकाई 01:	अर्थ, रचनाकाल, संख्या, प्रमुख उपनिषदों के केन्द्रीय विचार, उपनिषदों की दार्शनिक विधियाँ, भाष्य-परम्परा, उपनिषदों के प्रमुख आख्यान, उपनिषदों पर पाश्चात्य विद्वानों के उल्लेखनीय कार्य
इकाई 02:	ईशावास्योपनिषद् और कठोपनिषद् में प्रतिपादित प्रमुख सिद्धान्तों की विस्तृत समीक्षा

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. ईशादि नौ उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर
2. उपनिषदों का संदेश, डॉ. राधाकृष्णन्, राजपाल, दिल्ली
3. उपनिषदों की कहानियाँ/Stories of Upanishads (Bilingual: Hindi-English), जयकिशनदास सादानी, भारतीय विद्या मन्दिर, दिल्ली
4. उपनिषद्-अङ्क, गीताप्रेस, गोरखपुर
5. उपनिषदों का सन्देश, स्वामी रंगनाथानन्द, रामकृष्ण मठ, नागपुर
6. उपनिषदों की कहानियाँ, रामप्रताप त्रिपाठी शास्त्री, साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयाग
7. The Principal Upanishads, S. Radhakrishnan, Oxford Press, Delhi

संस्कृतविभागः जामियामिल्लियाइस्लामिया नवदेहलीस्थः
(राष्ट्रियमूल्याङ्कनपरिषदा A++ श्रेण्या प्रत्यायितः केन्द्रीयविश्वविद्यालयः)
Department of Sanskrit, Jamia Millia Islamia, New Delhi 110 025
(NAAC Accredited A++ Central University)

बहुविषयक स्नातक उपाधि-संस्कृत : पाठ्यक्रम विवरण

Multidisciplinary Bachelor's Degree in Sanskrit: Course Descriptions

Multidisciplinary Course

सेमेस्टर-02 **24-SAN-T-153**	**वैदिकसंस्कृतिः** **Vedic Culture**
क्रेडिट :03	कुल अङ्क : 75 (आन्तरिक मूल्याङ्कनः 19 अङ्क ,सत्र-परीक्षाः 56 अङ्क)
पृष्ठभूमि (Prerequisites)	देवनागरी लिपि से परिचय।
अधिगम उपलब्धि (Expected Learning Outcomes)	* प्रारम्भिक वैदिक काल के स्रोतों का परिज्ञान होगा । * वैदिक काल की संस्कृति, अर्थव्यवस्था, समाज, राजनीति, दर्शन एवं धर्म की विशेषताओं से अवगत हो सकेंगे ।

इकाई 01:	आर्यों का आदि देश, आर्यभाषाओं का उद्गम और विकास, वैदिक भूगोल, आर्य और दस्यु, सामाजिक जीवन, आर्थिक जीवन
इकाई 02:	वैदिक भाषा, वेद की व्याख्या पद्धति, वेद के भाष्यकार, वैदिक देववाद, वैदिक तथा परवर्ती देवशास्त्र
इकाई 03:	वैदिक धर्मदर्शन की शाखाएँ

पाठ्य पुस्तकें एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. इन्द्रविजय (पं. मधुसूदन ओझा विरचित), हिन्दी अनुवाद- डॉ. लक्ष्मी शर्मा, जाय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, 1997
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
3. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा संस्थान, वाराणसी
4. भारतीय संस्कृति और कला, वाचस्पति गैरोला, उत्तर-प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
5. वैदिक देवता (उद्भव और विकास), गयाचरण त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली
6. अमूर्त वैदिक देवता, लक्ष्मी मिश्रा, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली
7. वैदिक देवों का आध्यात्मिक और वैज्ञानिक स्वरुप, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद्, ज्ञानपुर (भदोही)
8. भारतीय धर्मशाखाएँ और उनका इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा सुरभारती, वाराणसी
9. वैष्णव, शैव और अन्य धार्मिक मत, रामकृष्ण गोपाल भण्डारकर, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
10. The Heart of Indian Culture, Sri Aurobindo (Editor: R.L.Kashyap), SAKSHI Trust, Bangalore
11. A Complete Review of Vedic Literature: India's Ancient Library of Spiritual Knowledge, Stephen Knapp
12. Socialism in Vedic Literature, Pushpendra Kumar, Eastern Book Linkers, Delhi